मलिक मुहम्मद जायसी - 'बारहमासा'

10 बहुविकल्पी प्रश्न (MCQ)

1. 'बारहमासा' के कवि कौन हैं?

A) तुलसीदास B) मलिक मुहम्मद जायसी C) सूरदास D) कबीर

उत्तर: B) मलिक मुहम्मद जायसी

2. 'बारहमासा' किस काव्य से लिया गया है?

A) अखरावट B) आखिरी कलाम C) पद्मावत D) साकेत

उत्तर: C) पद्मावत

3. 'बारहमासा' में नायिका किस भाव से पीड़ित है?

A) क्रोध B) भय C) विरह D) उत्साह

उत्तर: C) विरह

4. जायसी की भाषा मुख्यतः कौन-सी है?

A) ब्रज B) अवधी C) खड़ी बोली D) उर्दू

उत्तर: B) अवधी

5. 'बारहमासा' में ऋतुओं/महीनों का वर्णन किस उद्देश्य से है?

A) प्रकृति-सौंदर्य दिखाने के लिए

B) नायिका की विरह-व्यथा गहराने के लिए

C) इतिहास बताने के लिए

D) उत्सव वर्णन के लिए

उत्तर: B) नायिका की विरह-व्यथा गहराने के लिए

6. नायिका किसे संदेश भेजती है?

A) सखी को B) माता को C) प्रिय/नायक को D) राजा को

उत्तर: C) प्रिय/नायक को

SOLANKI SIR

7. 'बारहमासा' में प्रमुख रस कौन-सा है?

A) वीर B) करुण C) शृंगार (विरह) D) हास्य

उत्तर: C) शृंगार (विरह)

8. जायसी की काव्य-शैली पर किस परंपरा का प्रभाव माना जाता है?

A) रीति B) सूफी-प्रेमाख्यान C) वीरगाथा D) भक्ति-निर्गुण

उत्तर: B) सूफी-प्रेमाख्यान

9. नायिका की पीड़ा किन-किन प्राकृतिक परिवर्तनों से और तीव्र होती है?

A) वर्षा और पवन से B) पर्व और उत्सव से C) शोर-शराबे से D) यात्रा से

उत्तर: A) वर्षा और पवन से

10. 'बारहमासा' का मूल भाव क्या है?

A) मिलन-आनंद B) देश-प्रेम C) विरह की तीव्रता D) नीति-उपदेश

उत्तर: C) विरह की तीव्रता

---

10 एक-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. **प्रश्न:** 'बारहमासा' के कवि कौन हैं?
   उत्तर: मलिक मुहम्मद जायसी।
2. **प्रश्न:** 'बारहमासा' किस काव्य का अंश है?
   उत्तर: पद्मावत का।
3. **प्रश्न:** इस काव्यांश में नायिका किस भाव से ग्रस्त है?
   उत्तर: विरह-व्यथा से।
4. **प्रश्न:** जायसी की काव्य-भाषा क्या है?
   उत्तर: अवधी।
5. **प्रश्न:** नायिका किसे संदेश भेजती है?
   उत्तर: अपने प्रिय/नायक को।
6. **प्रश्न:** 'बारहमासा' में किस रस की प्रधानता है?
   उत्तर: शृंगार रस (विरह)।

SOLANKI SIR

7. **प्रश्न:** महीनों/ऋतुओं का वर्णन क्यों किया गया है?
   उत्तर: विरह की पीड़ा को तीव्र दिखाने के लिए।

8. **प्रश्न:** जायसी किस परंपरा के प्रमुख कवि माने जाते हैं?
   उत्तर: सूफी-प्रेमाख्यान परंपरा के।

9. **प्रश्न:** नायिका की पीड़ा किन प्राकृतिक दृश्यों से बढ़ती है?
   उत्तर: ठंड, वर्षा और पवन से।

10. **प्रश्न:** 'बारहमासा' का केंद्रीय विषय क्या है?
    उत्तर: नायिका का विरह।

---

10 तीन-पंक्ति प्रश्न-उत्तर

1. 'बारहमासा' का मुख्य विषय क्या है?
उत्तर: इसमें नायिका की विरह-व्यथा का चित्रण है।
महीनों/ऋतुओं के बदलने से उसका दुख बढ़ता है।
पूरा काव्य शृंगार (विरह) भाव से भरा है।

2. नायिका किस प्रकार अपना दुख व्यक्त करती है?
उत्तर: वह संदेशवाहकों से प्रिय को संदेश भिजवाती है।
प्रकृति के दृश्यों से अपनी पीड़ा जोड़ती है।
उसकी वाणी करुण और वेदनापूर्ण है।

3. ऋतु-वर्णन का काव्य में क्या महत्व है?
उत्तर: ऋतुएँ मनःस्थिति का प्रतिबिंब बनती हैं।
वर्षा, शीत और पवन विरह को और तीव्र करते हैं।
इससे भाव-प्रभाव गहरा होता है।

4. 'बारहमासा' में शृंगार रस कैसे प्रकट होता है?
उत्तर: यह मिलन नहीं, विरह का शृंगार है।
नायिका की तड़प और प्रतीक्षा में।
उसके शब्दों में करुण सौंदर्य झलकता है।

SOLANKI SIR

5. जायसी की भाषा-शैली की विशेषता बताइए।

उत्तर: भाषा अवधी और लोक-प्रयुक्त है।
शैली गंभीर, भावपूर्ण और चित्रात्मक है।
उपमा-रूपक से भाव गहराता है।

6. नायिका के संदेशों का उद्देश्य क्या है?

उत्तर: प्रिय तक अपनी पीड़ा पहुँचाना।
उसे लौट आने का आग्रह करना।
और अपने प्रेम की सच्चाई जताना।

7. प्राकृतिक दृश्यों का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर: ठंड और पवन उसकी देह-मन को कंपा देते हैं।
वर्षा उसकी पीड़ा बढ़ा देती है।
प्रकृति उसकी वेदना की संगिनी बन जाती है।

8. 'बारहमासा' की संरचना का भावार्थ बताइए।

उत्तर: महीनों के क्रम से भाव-तीव्रता बढ़ती है।
समय बीतता है पर दुख घटता नहीं।
प्रतीक्षा लंबी और पीड़ा गहरी होती जाती है।

9. जायसी की काव्य-दृष्टि में प्रेम का स्वरूप कैसा है?

उत्तर: प्रेम आध्यात्मिक ऊँचाई भी पाता है।
विरह में तप और साधना का रूप लेता है।
यह सूफी परंपरा की झलक देता है।

10. इस अंश का समग्र संदेश क्या है?

उत्तर: सच्चे प्रेम में विरह भी साधना है।
पीड़ा प्रेम की गहराई दिखाती है।
प्रतीक्षा प्रेम को और पवित्र बनाती है।

SOLANKI SIR

10 दीर्घ प्रश्न-उत्तर

1. 'बारहमासा' का भावार्थ लिखिए।

उत्तर: 'बारहमासा' में नायिका अपने प्रिय से बिछुड़कर महीनों तक विरह की आग में जलती रहती है। बदलती ऋतुएँ–शीत, वर्षा और पवन–उसकी पीड़ा को और तीव्र कर देती हैं। वह संदेशवाहकों के माध्यम से प्रिय को अपनी दशा बताती है और लौट आने का आग्रह करती है। पूरा काव्य शृंगार (विरह) रस से ओत-प्रोत है और प्रेम की गहराई को दर्शाता है।

2. 'बारहमासा' में ऋतु-वर्णन की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: यहाँ ऋतुएँ केवल प्रकृति-चित्रण नहीं, बल्कि नायिका की मनःस्थिति का प्रतीक हैं। ठंड देह को कंपाती है, वर्षा मन को भिगो देती है और पवन विरह की आग भड़काता है। इससे विरह की तीव्रता पाठक तक पहुँचती है।

3. नायिका के विरह-भाव का चित्रण कैसे हुआ है?

उत्तर: नायिका की वाणी करुण और व्याकुल है। वह अपने प्रिय को संदेश भेजती है, अपनी देह-मन की पीड़ा बताती है और हर बदलते महीने के साथ उसकी तड़प बढ़ती जाती है। यह चित्रण अत्यंत मार्मिक है।

4. जायसी का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

उत्तर: मलिक मुहम्मद जायसी सूफी-प्रेमाख्यान परंपरा के प्रमुख कवि हैं। उनकी प्रसिद्ध कृति 'पद्मावत' है। उनकी भाषा अवधी है और शैली गंभीर, भावपूर्ण तथा प्रतीकात्मक है। उनके काव्य में प्रेम आध्यात्मिक ऊँचाई तक पहुँचता है।

5. 'बारहमासा' में शृंगार रस का स्वरूप बताइए।

उत्तर: यहाँ शृंगार का विरह-पक्ष प्रधान है। मिलन का आनंद नहीं, बल्कि बिछोह की पीड़ा और प्रतीक्षा की वेदना व्यक्त हुई है। इससे प्रेम की गहराई और सच्चाई उजागर होती है।

6. नायिका द्वारा भेजे गए संदेशों का काव्यात्मक महत्व समझाइए।

उत्तर: संदेश नायिका की व्याकुलता और आशा दोनों का प्रतीक हैं। वे कथा को आगे बढ़ाते हैं और भावनात्मक तनाव को गहरा करते हैं। इससे पाठक नायिका की पीड़ा से जुड़ता है।

SOLANKI SIR

7. जायसी की भाषा-शैली की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर: उनकी भाषा अवधी, लोक-प्रयुक्त और सरस है। शैली में उपमा, रूपक और प्रतीकों का सुंदर प्रयोग है। इससे भाव-प्रभाव गहरा और मार्मिक बनता है।

8. 'बारहमासा' में प्रकृति और मन की समानता कैसे दिखाई गई है?

उत्तर: बदलती ऋतुएँ नायिका के मन के उतार-चढ़ाव को दर्शाती हैं। ठंड, वर्षा और पवन उसके भीतर के दुख को प्रतिध्वनित करते हैं। प्रकृति मानो उसकी वेदना की संगिनी बन जाती है।

9. सूफी-प्रेमाख्यान परंपरा का प्रभाव इस काव्यांश में कैसे दिखता है?

उत्तर: प्रेम यहाँ केवल सांसारिक नहीं, बल्कि साधना और तप का रूप लेता है। विरह में धैर्य, प्रतीक्षा और आत्मिक शुद्धि का भाव सूफी परंपरा की पहचान है।

10. 'बारहमासा' का साहित्यिक महत्व लिखिए।

उत्तर: यह काव्यांश हिंदी-आवधी काव्य में विरह-वर्णन का श्रेष्ठ उदाहरण है। इसमें भाव-गहराई, ऋतु-चित्रण और प्रतीकात्मकता का सुंदर समन्वय है। जायसी की काव्य-शक्ति और सूफी प्रेम-दृष्टि यहाँ प्रभावशाली रूप में प्रकट होती है।

SOLANKI SIR